ईओडब्ल्यू टीम ने रंगे हाथों पकड़ा, नगर में मचा हड़कंप

5 हजार की रिश्वत लेते धराया नपा परासिया का लेखपाल

कांग्रेस द्वारा लंबे समय से लगाए जा रहे आरोप कि नगर पालिका परासिया में भ्रष्टाचार चरम पर है, मंगलवार को उस वक्त सच साबित हो गए, जब नगर पालिका में पदस्थ लेखपाल शैलेन्द्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई इतनी सटीक और गोपनीय तरीके से की गई कि जैसे ही आरोपी लेखपाल को दबोचा गया, पूरे नपा कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों और आम नागरिकों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई इस सनसनीखेज घटनाक्रम को अपनी आंखों से देखता रह गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

रिटायर्ड सफाई कर्मी से मांगी गई थी रिश्वतपूरा मामला नगर पालिका परासिया के वार्ड क्रमांक 16, कुम्हारी मोहल्ला निवासी 54 वर्षीय लालजी पिता सुन्दरलाल पिंडपारोची से जुड़ा है। लालजी अगस्त 2025 में नगर पालिका से सफाई कर्मी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें अपनी पेंशन और ग्रेच्युटी फंड की राशि मिलनी थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया।लालजी लगातार नगर पालिका के चक्कर काटते रहे, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया जाता रहा। इसी दौरान नपा में पदस्थ लेखपाल शैलेन्द्र शर्मा ने उनसे ग्रेच्युटी फंड जारी कराने के बदले 30 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर दी। मजबूरी में लालजी ने काफी मिन्नतों के बाद रकम 25 हजार रुपये तय करवाई। इसमें से वह पहले ही 20 हजार रुपये दे चुके थे।

रिटायर्ड सफाई कर्मी से मांगी गई थी रिश्वत

पूरा मामला नगर पालिका परासिया के वार्ड क्रमांक 16, कुम्हारी मोहल्ला निवासी 54 वर्षीय लालजी पिता सुन्दरलाल पिंडपारोची से जुड़ा है। लालजी अगस्त 2025 में नगर पालिका से सफाई कर्मी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें अपनी पेंशन और ग्रेच्युटी फंड की राशि मिलनी थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया।लालजी लगातार नगर पालिका के चक्कर काटते रहे, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया जाता रहा। इसी दौरान नपा में पदस्थ लेखपाल शैलेन्द्र शर्मा ने उनसे ग्रेच्युटी फंड जारी कराने के बदले 30 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर दी। मजबूरी में लालजी ने काफी मिन्नतों के बाद रकम 25 हजार रुपये तय करवाई। इसमें से वह पहले ही 20 हजार रुपये दे चुके थे।

5 हजार के लिए लगातार दबाव

बाकी बचे 5 हजार रुपये के लिए लेखपाल लगातार दबाव बना रहा था। हर बार फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर उनसे पैसे मांगे जाते थे। आर्थिक तंगी और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आखिरकार लालजी ने हिम्मत जुटाई और 13 फरवरी को जबलपुर स्थित आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कार्यालय में पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज करवाई।शिकायत मिलते ही ईओडब्ल्यू ने मामले की जांच शुरू की और सत्यापन के बाद आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई गई।

मंगलवार को रची गई कार्रवाई की योजना

मंगलवार 17 फरवरी को ईओडब्ल्यू की विशेष टीम जबलपुर से परासिया पहुंची। शिकायतकर्ता लालजी को भी साथ रखा गया। जैसे ही लेखपाल शैलेन्द्र शर्मा ने उनसे शेष 5 हजार रुपये लिए, पहले से तैनात टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के हाथों पर केमिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें रिश्वत लेने की पुष्टि हो गई।इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(ए) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नगर पालिका में मचा हड़कंप

कार्रवाई की खबर फैलते ही नगर पालिका परिसर में हड़कंप मच गया। कर्मचारी इधर-उधर भागने लगे और आम नागरिकों की भीड़ जमा हो गई। कई लोग खुलेआम कहने लगे कि यह पहली बार नहीं है, जब किसी अधिकारी पर रिश्वत लेने का आरोप लगा हो, लेकिन इस बार रंगे हाथ पकड़े जाने से सबूत सामने आ गए हैं।कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशानाइस मामले के बाद कांग्रेस नेताओं ने सरकार और नगर पालिका प्रशासन पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस का कहना है कि परासिया नगर पालिका में भ्रष्टाचार कोई नई बात नहीं है। उन्होंने मांग की है कि पूरे नगर पालिका कार्यालय की जांच कराई जाए और अन्य मामलों की भी जांच हो।

आम जनता में रोष

इस घटना से आम जनता में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि एक गरीब सफाई कर्मी को उसके हक की रकम पाने के लिए रिश्वत देनी पड़ी, यह सिस्टम की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

ईओडब्ल्यू की अपीलई

ओडब्ल्यू अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है, तो बिना डरे शिकायत करें। उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।यह कार्रवाई न केवल परासिया बल्कि पूरे जिले के लिए एक बड़ा संदेश है कि भ्रष्टाचार करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा।

परासिया रोड पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, अवैध गुमटियां हटाईं

कोल्ड स्टोर के पास अतिक्रमण से मुक्त हुआ क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

परासिया रोड पर वर्षों से जमी अवैध गुमटियों और अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को सख्त कार्रवाई करते हुए पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर दिया। कोल्ड स्टोर के पास लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त महोदय के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई की।

इस अभियान से न केवल सड़क पर यातायात सुचारू हुआ, बल्कि आम नागरिकों ने भी राहत की सांस ली।स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों द्वारा लंबे समय से यह शिकायत की जा रही थी कि कोल्ड स्टोर के आसपास अवैध रूप से लगी गुमटियों और ठेलों के कारण सड़क संकरी हो गई थी। इससे जाम की स्थिति बनती थी और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें दी गईं, जिसके बाद नगर निगम आयुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।नगर निगम की अतिक्रमण शाखा, राजस्व विभाग और पुलिस बल के सहयोग से सुबह से ही अभियान शुरू किया गया। पहले गुमटी संचालकों को समझाइश दी गई, इसके बाद तय समय सीमा में स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर भी दिया गया। बावजूद इसके जब कुछ लोगों ने आदेश का पालन नहीं किया, तो निगम की टीम ने मशीनों की सहायता से अवैध निर्माण और गुमटियां हटाईं।इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे। कुछ अतिक्रमणकारियों ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि शहर को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से की गई है।नगर निगम आयुक्त ने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों पर अवैध अतिक्रमण यातायात, स्वच्छता और सुरक्षा तीनों के लिए बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। परासिया रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर अतिक्रमण से आमजन को भारी परेशानी होती है।

भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर सख्त जुर्माना लगाया जाएगा।स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम की इस पहल की सराहना की। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद सड़क खुली और साफ दिखाई दी है। अब वाहन आसानी से निकल सकेंगे और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।

नगर निगम ने सभी दुकानदारों और ठेला संचालकों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय करें और अवैध कब्जा न करें। साथ ही नागरिकों से भी अनुरोध किया गया है कि यदि कहीं अतिक्रमण दिखाई दे, तो तुरंत नगर निगम को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर शहर को अतिक्रमण मुक्त और सुंदर बनाया जा सके।

वृत्त परासिया अंतर्गत होटल- ढाबों में आबकारी विभाग की दबिश कार्यवाही

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार एसडीएम परासिया श्री शुभम कुमार यादव एवं सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर.वैद्य के मार्गदर्शन में वृत्त परासिया प्रभारी अधिकारी द्वारा वृत्त परासिया अंतर्गत जलपान गृह, होटल एवं ढाबों में पिलाने एवं बेचने के लिये रखे देशी-विदेशी मदिरा बरामद किया गया। इसी तरह वार्ड नंबर 08 स्थित शिवम होटल एवं सलूजा होटल में मदिरा पिलाते पाया गया, वही याराना ढाबा, जायसवाल भोजनालय में भी दबिश दी गई, जहाँ से किसी भी प्रकार का मदिरा बरामद नहीं हुई। दोनों होटल के पास से 2.0 बल्क लीटर विदेशी मदिरा तथा 7.8 बल्क लीटर बियर विदेशी मदिरा बरामद कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 36 के विरुद्ध प्रकरण कायम किया गया । अवैध मदिरा विक्रेताओं एवं मदिरा पान कराने वाले होटल-ढाबा संचालकों के विरुद्ध मुहीम कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। इस दबिश कार्रवाई में प्रभारी अधिकारी आबकारी उप निरीक्षक श्री जीत सिंह धुर्वे एवं समस्त आबकारी आरक्षक उपस्थित थे।

सौंसर में दिखेगी 'हिंदवी स्वराज्य' की झलक

सौंसर। मराठा साम्राज्य के संस्थापक और अदम्य साहस के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती इस वर्ष सौसर में बेहद खास होने जा रही है। श्री शिवराय संगठन द्वारा तीन दिवसीय 'श्री शिवजन्मोत्सव' को लेकर पूरे नगर में उत्साह का माहौल है। उत्सव का ऐतिहासिक आगाज़ एक भव्य 'शौर्य दौड़' के साथ किया जा रहा है। यह दौड़ शिवाजी महाराज चौक से शुरू होकर मोहगांव स्वागत द्वार तक जाएगी और पुनः अपने प्रारंभिक स्थल पर संपन्न होगी।आयोजन की भव्यता को देखते हुए प्रशासन के सहयोग से रूट पर सुरक्षा और एम्बुलेंस की पुख्ता व्यवस्था की गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि इन तीन दिनों में भक्ति, शक्ति और संस्कृति का संगम देखने को मिलेगा जिंसमे शौर्य दौड़ एवं भव्य उद्घाटन समारोह, दूसरे दिन जन्मोत्सव, विशेष अभिषेक एवं हवन-पूजन,तीसरे दिन मुख्य आकर्षणः शिवशाहीर विक्रांत राजपूत द्वारा वीर रस के गीत एवं शिवचरित्र पोवाड़ा की प्रस्तुति की जाएगी, श्री शिवराय संगठन ने क्षेत्र वासियो से इस गौरवशाली उत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का आग्रह किया है। पदाधिकारियों का कहना है कि शिवाजी महाराज के विचार और उनका शौर्य आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, जिसे जन-जन तक पहुँचाना इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य है।

शासकीय उमावि बड़कुही की एक माध्यमिक शिक्षिका निलंबित

छिंदवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन द्वारा विकासखंड परासिया के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़कुही की माध्यमिक शिक्षिका (उच्च पद प्रभार) श्रीमती कृष्णा शर्मा को हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में परीक्षार्थियों को अनुचित साधन का प्रयोग करने में सहयोग करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2026, परीक्षा केन्द्र 761089, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़कुही, विकासखण्ड परासिया में आज 17 फरवरी 2026 को अंग्रेजी विषय के प्रश्नपत्र के दौरान, अनुभिवागीय अधिकारी (राजस्व) परासिया द्वारा परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षक माध्यमिक शिक्षिका (उच्च पद प्रभार) श्रीमती कृष्णा शर्मा के पास पर्यवेक्षण कार्य करते समय प्रिंटेड नकल सामग्री पाई गई, जो कि कक्षा 10वीं विषय अंग्रेजी के प्रश्नपत्र से संबंधित प्रश्न क्रमांक-11 के उत्तर प्रिंटेड पाये गये। स्पष्ट है, कि पर्यवेक्षक श्रीमती शर्मा के द्वारा परीक्षार्थियों को अनुचित साधन का प्रयोग करने में सहयोग करने की दृष्टि से रखा गया। माध्यमिक शिक्षिका श्रीमती शर्मा के इस कृत्य के कारण कलेक्टर श्री नारायन द्वारा उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए शासकीय सेवा से निलंबित किया जाकर, मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, परासिया, जिला छिंदवाड़ा नियत किया गया है।

जनसुनवाई : कलेक्टर श्री नारायन ने सुनी 92 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 92 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से ज़मीन का सीमांकन करने, संबल योजना का लाभ दिलाने, सड़क बनाने, अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। कलेक्टर श्री नारायन ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम रिछेड़ा के श्री आनंद सूर्यवंशी ने भूमि का सीमांकन कराने, ग्राम बाबई के श्री मोहन साहू ने अपनी पैतृक भूमि पर अनावेदक द्वारा पट्टे के नाम पर किये गये कब्जे को हटाने, जुन्नारदेव की श्रीमती जयाभारती मर्सकोले को अनुकम्पा नियुक्ति दिये जाने उपरांत मासिक वेतन दिलाने, दमुआ नगर के वार्ड क्रमांक-17 के श्री रफीक आलम ने मकान के सामने मेन रोड एवं उत्तर दिशा में मकान से लगा हुआ अतिक्रमण हटवाने, ग्राम छिन्दा के ग्रामीणों ने ग्राम में जलाशय निर्माण कार्य कराने आदि आवेदन आए।

अज्ञात तत्वों द्वारा रिपोर्ट वापस लेने हेतु दी धमकी

जुन्नारदेव -: ग्राम पंचायत डुगंरिया में अज्ञात तत्वों द्वारा रात्रि 2:00 बजे महिला के घर के आंगन में शराब की बाटलें फेंक फेंक कर फोड़ी गई। तथा जान से मारने की धमकी दी गई। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस चौकी डुगंरिया में आवेदक द्वारा की गई। रिपोर्ट पर बताया गया कि तीन मोटरसाइकिल में 06 लोग मुंह में कपड़ा लपेट सवार हो कर आवेदक के घर के सामने जोर-जोर से चिल्लाते रहे कि अपनी पुलिस में दर्ज की हुई रिपोर्ट वापस ले। अन्यथा जान से मार देंगे।ज्ञात रहे की आवेदक द्वारा 23 नवंबर2025 को उसके साथ हुई वारदात की रिपोर्ट पुलिस थाना जुन्नारदेव में 30 नवंबर को दर्ज की गई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद 01 दिसंबर को न्यायालय में पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज किए गए है ।जिसमें पुलिस द्वारा अपराध नंबर 427/ 25 बीएमएस की धारा 140 (3) 127 (2)70 (1) 84 3 (5)का प्रकरण दर्ज किया गया। इसके सभी आरोपी विजय वसूले, राहुल राठौर जुन्नारदेव माजरी निवासी अन्य दो महिलाएंअभी फरार बताए जा रहे हैं। इसी केस को वापस लेने की धमकी आवेदक को दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह सामूहिक दुष्कर्म का मामला है जिसमें पुलिस गंभीरता से आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

भक्तों ने सुनी शिव पुराण की कथा

जुन्नारदेव। तालखमरा मालन माता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ भगवान शिव, व नंदी की प्रतिमा की स्थापना की गई। इस मौके पर धूमधाम के साथ कलश यात्रा भी निकाली गई।क्षेत्र के गांव तालखमरा में निर्मित मंदिर में भगवान शिव समेत दो प्रतिमाओं की स्थापना के लिए धूमधाम से निकालीं गई शिव बारात कस्बे के मंदिरों में पूजा अर्चना कर वापस कार्यक्रम स्थल तालखमरा पहुंची। आचार्य श्री रोहितानंद जी महाराज व पं. श्री गिरजा नंदन दुबे जी, मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कर मंदिर में स्थापित कराया। श्री रोहिता आनंद जी महाराज एवं श्री गिरजानंदन दुबे जी ने बताया कि शिव मंदिर की स्थापना के लिए सात दिनों से हवन पूजन व प्राणप्रतिष्ठा का कार्यक्रम विधिविधान से किया जा रहा है। जो भगवान शिव की स्थापना के साथ संम्पन्न हो गया। आयोजक जय श्री मालन मा कल्याण समिति तालखमरा एवं सभी क्षेत्रवासी ने निर्मित मालन माता मंदिर में स्थापना पर कन्या पूजन भंडारे का आयोजन किया। क्षेत्र के लोगों ने शिव बारात में भाग लेकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पून्य अर्जित किया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य एवं क्षेत्रवासियों सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।

श्री सिद्धनाथ धाम टेकडी में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

दमुआ। महाशिवरात्री के पर्व शिव की भक्ति और शक्ति के रूप मे श्रद्धालु भक्तो ने हषोल्लास के साथ मनाया हजारो भक्तो ने नगर की श्री सिद्धनाथ धाम टेकडी पहुंचकर भगवान के दर्शन कर आर्शिवाद प्राप्त किया समिति द्वारा श्रद्धालू भक्तो के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जहांशिवभक्तो ने प्रसाद ग्रहण भी किया इस अवसर पर सुबह से ही मदिर प्रांगण में पूजन-पाठ के लिए भक्तो का तांता लगा रहा समिति द्वारा मंदिर मे आकर्षक विद्युत लाईट साज सज्जा भी की गई जो आर्कषणका केन्द्र रही मंदिर सज्जा भी की गई प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्री के पावन अवसर पर मेला भी लगा ऐसा मानना है कि जो भी श्रद्धालु भक्तगण बाबा श्री सिद्धनाथधाम मंदिर दर्शनार्थ के लिए आते है ऐसे भक्तो की आस्था एवं पूजनपाठ मनोकामना पूर्ण होती है।

एक बार फिर मिडास ने रचा इतिहास- पांढुर्णा जिले का नाम रोशन

छिंदवाड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में जब निरंतरता, अनुशासन और उत्कृष्ट मार्गदर्शन एक साथ मिलते हैं, तो परिणाम इतिहास बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है मिडास कोचिंग संस्था ने, जिसने लगातार 8 वर्षों से **District Top** देकर एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर दी है। जेईई मेन्स जनवरी परीक्षा 2026 के परिणामों में मिडास ने पूरे पांढुर्णा जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर शिक्षा जगत में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।इस शानदार सफलता के नायक बने हैं पीयूष जगन्नाथ सातपुते, जो खैरी तायगांव, सौंसर के निवासी हैं। पीयूष ने जेईई मेन्स में 99.30 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे पांढुर्णा जिले में टॉप किया और मिडास का नाम प्रदेशभर में रोशन किया। वहीं दूसरी ओर, श्रेष्ठ सुबोध महेश्वरी, निवासी मोहगांव-सौंसर, ने भी 98.36 पर्सेंटाइल लाकर कोचिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।यहीं नहीं, मिडास के इस गौरवशाली सफर में और भी कई होनहार छात्र शामिल हैं। इस वर्ष:13 छात्रों ने 95 से अधिक पर्सेंटाइल31 छात्रों ने 90 से अधिक पर्सेंटाइलऔर 55 छात्रों ने 80 से अधिक पर्सेंटाइलप्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि केवल अंकों की कहानी नहीं, बल्कि उस विश्वास की जीत है जो मिडास वर्षों से विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच बना रहा है।मिडास कोचिंग संस्था के संचालक श्री विकाश कुमार सिंह जी का कहना है,"लगातार 8 वर्षों से **District Top** देना तभी संभव है जब बच्चों में जुनून, जिज्ञासा और कुछ कर दिखाने की भूख हो। जब छात्र पूरे मन से प्रयास करते हैं, तो कायनात भी उन्हें सफलता दिलाने में साथ देती है।"मिडास की सही रणनीति, व्यक्तिगत ध्यान और क्षमता-आधारित बैच प्रणाली ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि सही दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम होती है।आज मिडास सिर्फ एक कोचिंग संस्थान नहीं, बल्कि पांढुर्णा जिले में विश्वास, परंपरा और परिणाम का प्रतीक बन चुका है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केंद्र एवं जनजातीय कार्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न

शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता पर कलेक्टर ने दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केंद्र एवं जनजातीय कार्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति, गत वर्ष के परीक्षा परिणाम, छात्रावासों के संचालन तथा मॉनिटरिंग व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में नियमित शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ संचालित की जाएं तथा शिक्षकों की पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए तथा शैक्षणिक परिणामों में सुधार लाने के लिए सतत निगरानी रखी जाए।

जनजातीय क्षेत्रों के विद्यालयों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री नारायन ने छात्रावासों के सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षक सप्ताह में कम से कम दो बार छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। स्वच्छता, सुरक्षा, पोषण एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों में अध्ययन के अनुकूल वातावरण निर्मित किया जाए। शैक्षणिक परिणामों में सुधार हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम, जिला परियोजना समन्वयक श्री जे.के.इड़पाचे, सहायक संचालक शिक्षा श्री पी.एल.मेश्राम, बीआरसी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्काउट एवं गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र डाइट परिसर छिंदवाड़ा का जीणोद्धार कार्य प्रारंभ

छिंदवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट छिंदवाड़ा गोपाल सिंह बघेल के हस्ते पूजा कर स्काउट एवं गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र डाइट परिसर छिंदवाड़ा का जीणोद्धार कार्य प्रारंभ किया गया ।इस अवसर पर जिला संघ अध्यक्ष विनोद तिवारी, राज्य संघ उपाध्यक्ष तुकाराम दुर्गे,जिला संघ उपाध्यक्ष , अखलेश चौहान उपाध्यक्ष मनोज आरपूरे ,जिला सचिव राजेंद्र सरवरे जिला संगठन आयुक्त नरेंद्र कुमार शर्मा सह सचिव दिनेश वर्मा ब्लॉक संघ उपाध्यक्ष श्रीमती विधा केकतपूरे छाया सहारे एवं कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति में कार्य का शुभारंभ किया गया स्काउट एवं गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र डाइट परिसर छिंदवाड़ा का जीणोद्धार जिले के स्काउट्स गाइड्स शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा स्वेच्छा से सहयोग राशि प्रदान कर स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र के जीणोद्धार कार्य कराया जा रहा है जिससे आने वाले सत्र में स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं का अधिक से अधिक शिविर आयोजित कराया जावे। ब्लॉक स्तरीय शिविर जिला स्तरीय शिविर संभाग स्तरीय शिविर का आयोजन उक्त प्रशिक्षण केंद्र के पांच कमरों में किया जाता है जिसका जिनौद्घर कार्य प्रारंभ किया गया है।

अन्नदाता के लिए चिंतित है इसीलिये 2003 में बेहतर बाजार व मार्गदर्शन की व्यवस्था की

कमलनाथ व नकुलनाथ ने किसानों को खोखले वादे नहीं, टिकाऊ कृषि व आधुनिक तकनीक दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

खेत और किसान देश की रीढ़ है यह बात मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी भली भांति जानते हैं। इसीलिये उन्होंने कभी भी किसानों से खोखले वादे नहीं टिकाऊ कृषि व आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराई। छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र के किसानों को पारम्परिक खेती से दूर सब्जी, फल व फूलों के साथ ही उन्नत अनाज की खेती की तरफ मोड़ा। अन्नदाता को मार्गदर्शन और बेहतर बाजार आईटीसी के माध्यम से उपलब्ध कराया। परिणामस्वरूप आज छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिले के आधे से अधिक गांव व किसानों के बीच आईटीसी की मजबूत टीम और सम्पर्क अन्नदाता का मार्गदर्शन, उन्नत किस्म के बीज और बाजार सबकुछ उपलब्ध करा रहे हैं।

खेती को लाभ का धंधा बनाने के साथ ही अन्नदाता को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए हमेशा ही चिंतित रहने वाले मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के अथक व सतत प्रयासों से छिन्दवाड़ा जिले में आईटीसी किसानहित में 2003 से कार्य करते हुए किसान भाइयों के विकास में योगदान दे रही। सबसे खास बात यह कि 8 ब्लॉकों में 63 ई-चौपाल का सम्पर्क है जो सीधे तौर पर 562 गांव तक पहुंच है। इतना ही नहीं 12 निगमित और 7 मौजूदा (FPO) किसान उत्पादक संगठन का सम्पर्क मौजूद है। माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी ने पहले सोयाबीन फिर मक्का की खेती से जोड़कर किसानों को आर्थिक रूप से मजूबत किया। इतिहास गवाह है कि कि नेताद्वय के कार्यकाल में मक्का उपज

किसानों व सप्लायर्स के माध्यम से की बम्पर खरीदी

माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी के प्रयासों से स्थापित आईटीसी ने किसानों एवं सप्लायर्स के माध्यम से गेहूं एवं मक्का उपज की निर्धारित मूल्य पर बम्पर खरीदी की। वर्ष 24-25 में 7,000 हजार किसान भाइयों से 9,000 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की। इसी तरह वर्ष 25-26 में 10,000 किसानों से 15,000 मिट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। वर्ष 24-25 में 9,000 सप्लायर्स से 7,000 मिट्रिक टन एवं वर्ष 25-26 में सप्लायर्स से 8,000 मिट्रिक टन उपज की खरीदी कर आईटीसी ने किसानों को मजबूत बाजार उपलब्ध कराया।

हजारों किसान ले रहे तकनीकी प्रशिक्षण

बाजार उत्तम.. किस्म के बीज ही नहीं बल्कि किसानों को तकनीकी रूप से दक्ष करने में जुटी आईटीसी ने विगत 3 र्षों में 224 कार्यक्रमों का आयोजन कर जिले के लगभग 4,000 किसानों को प्रशिक्षित किया। माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी की मंशा अनुरूप आईटीसी सतत रूप से किसानों को आधुनिक कृषि का प्रशिक्षण दे रहे हैं। आईटीसी ने वर्ष 2006 में छिन्दवाड़ा में "चौपाल सागर" की स्थापना की जो किसान प्रशिक्षण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराता है, यह हर वर्ष 50,000 से अधिक किसानों को लाभ देता है।

नई पीढ़ी के लिए नई शुरुआत

आईटीसी ने कृषि के बदलते दौर और युवा पीढ़ी के कृषि में रुझान को देखते हुए आईटीसी ने नवीन शुरुआत की है। (ITCMAARS) एप शुरू किया है, जो किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल और उच्च उपज देने वाली फसल किस्मों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह एप 19 एफपीओ पर शामिल है। 5 (FPO) किसान उत्पादक संगठन को (SFAC) लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ से अनुदान, दो वर्षों में 25,000 मिट्रिक टन उपज की खरीद, किसानों को 4 करोड़ रुपए के प्रमाणित बीज एवं 50 लाख रुपए के कृषि व रसायन उपलब्ध कराने का नया रिकॉर्ड कायम किया है। यही नहीं किसान हित में आईटीसी के द्वारा किसानों को जागरू करने हेतु 881 लेख 530 सलाहकारी वीडियों और 3 हजार से अधिक मिट्टी परीक्षण परिणाम है।

जुन्नारदेव के ग्राम रतवाडोल में चलाया गया जनजागरूकता अभियान

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के निर्देशानुसार जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं जुन्नारदेव विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था पंख सामाजिक विकास संस्थान जुन्नारदेव की सचिव श्रीमती श्रद्धा विश्वकर्मा एवं श्रीमती विनीता पंद्राम के साथ मिलकर जुन्नारदेव के सेक्टर क्रमांक 4 दमुआ, ग्राम रतवाडोल में सिकल सेल, एनीमिया, कुपोषण और नशा मुक्ति विषयों पर विशेष संदेश देते हुए जनजागरूकता अभियान चलाया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के छात्रों एवं परामर्शदाताओं द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को सिकल सेल एनीमिया, कुपोषण, महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी सेवाओं तथा नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं जैसे टीकाकरण, पोषण आहार, गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए विशेष सेवाएं आदि की जानकारी दी गई। साथ ही सिकल सेल एनीमिया के लक्षण, जांच की आवश्यकता और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कुपोषण से बचाव हेतु संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की सलाह दी गई। पुरुषों एवं युवाओं को विशेष रूप से नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को हानि पहुँचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों ने नशा त्यागने एवं स्वस्थ समाज निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर परामर्शदाता श्रीमती दीपा पाटिल, श्रीमती आयुषी, श्रीमती योगिता मर्सकोले, समाज कार्य के छात्र विशाल बेलवंशी, अमन आरसे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य श्रीमती सुगना बेलवंशी, श्रीमती सविता बेलवंशी, श्रीमती माया बेलवंशी, श्री रमेश राज भोपा, श्री सूती लाल सहित अन्य ग्रामीणजन एवं महिलाएं उपस्थित थे।

जिला संयोजक कार्यालय के लिए 10 कर्मचारियों की पदस्थापना

पांढुर्णा में प्रशासनिक मजबूती की ओर बड़ा कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने नवगठित पांढुर्णा जिले में प्रशासनिक कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत पांढुर्णा में 'जिला संयोजक कार्यालय' के सुचारू संचालन के लिए छिंदवाड़ा से 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना की गई है। यह कदम जिले में जनजातीय कार्य और अनुसूचित जाति विकास से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अहम माना जा रहा है। शासन के आदेशानुसार श्री उमेश सतानकर को प्रभारी जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त श्रीमती प्रियंका सैयाम को क्षेत्र संयोजक, श्री अजय मर्सकोले को मण्डल संयोजक तथा श्री राजेश कुमार महोबिया को लेखपाल के पद पर पदस्थ किया गया है। सहायक ग्रेड-2 के रूप में श्रीमती माला बरठी एवं श्रीमती सुनंदा पराते, सहायक ग्रेड-3 के रूप में श्री नीरज बागड़े एवं श्रीमती संध्या डेहरिया तथा भृत्य पद पर श्री मधुकर इरपाची एवं श्री मुकेश भलावी को पांढुर्णा में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में पांढुर्णा को नया जिला घोषित किए जाने के बाद से विभिन्न विभागों के स्वतंत्र कार्यालयों की स्थापना की प्रक्रिया निरंतर जारी है। इस नवीन पदस्थापना से जिले में जनजातीय एवं अनुसूचित जाति विकास संबंधी योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी तथा स्थानीय नागरिकों को अब अपने कार्यों के लिए छिंदवाड़ा जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे प्रशासनिक सुविधा और पारदर्शिता दोनों में वृद्धि होगी।

शासकीय विज्ञान कॉलेज पांढुर्णा में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

पांढुर्णा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय विज्ञान महाविद्यालय पांढुर्णा में पी.एम. ऊषा योजना के सॉफ्ट कंपोनेंट-3 के अंतर्गत कौशल विधा सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण शिविर-2 का आयोजन उद्यमिता विकास केंद्र मध्य प्रदेश भोपाल के तत्वाधान में तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शहनाज खान के मार्गदर्शन में दिनांक 16 फरवरी 2026 से 02 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा संबंधी गुर सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाना है। शिविर के दौरान जुडो ट्रेनर श्री प्रवीण वाघमारे एवं श्री श्याम बावने द्वारा विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के विभिन्न तकनीकी कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों के आत्मबल एवं शारीरिक मजबूती को बढ़ावा मिल रहा है तथा उनकी शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक स्किल डेवलपमेंट भी किया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन सॅडमैप- मैप जिला संयोजक छिंदवाड़ा श्री उमेश तिवारी के नेतृत्व में किया जा रहा है। शिविर के सफल संचालन में महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुरज रामटेके एवं खेल सहायक श्री भोजराज कराले द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में कुमारी नंदिनी गोरे, पूनम गोयते, रेशमा बोरीवार, साक्षी भादे, सारिका सहारे, सोनम गिरारे, करिश्मा तुमरडाम, भूमिका घागरे, चंचल भादे, तृष्णा सुनकर, आस्था घोड़े, श्रुति भादे, शकुन चिपकाने, मोनिका पाठे, रोहित पन्द्राम, मनीष परतेती, रोहन वटके, शुभम सलामें, पवन उईके, हर्षाली भद्रे, निधि साहू, अंजलि धोटे, साक्षी देशमुख, हेमपुष्पा भांगे, समीक्षा तागड़े, चेतना बालपांडे, हर्षिका मदनकर, विद्या पराड़कर, करिश्मा ढोलके, ज्योति पाठे, महक घागरे आदि छात्र-छात्राओं का समावेश है।

रोटरी क्लब छिंदवाड़ा ने स्कूल में किया स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम

छिंदवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा स्कूली बच्चों के लिए स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उसी के अंतर्गत दिन मंगलबार को शिक्षक कॉलोनी स्थित स्कूल में एम बी बी एस डाक्टर कु मानसी मेश्राम ने बच्चो को उनके स्वास्थ संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की ।इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा के अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी, शिक्षा विभाग के सहायक संचालक पी एल मेश्राम सहित स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर डाक्टर मानसी मेश्राम ने अपनी और से बच्चो को स्कूल हेतु दवाओं का बॉक्स प्रदान किया जिसे जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी में तुरंत उपयोग किया जा सकता है। सहायक संचालक श्री मेश्राम ने कहा कि इस तरह का दवाइयों का बॉक्स सभी स्कूलों में होना चाहिए जिससे जरूरत पड़ने पर बच्चों को तुरंत चिकित्सा लाभ मिल सके। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा के अध्यक्ष रोटे विनोद तिवारी ने कहा कि रोटरी क्लब स्कूली बच्चों के हेल्थ को लेकर इस तरह के अवेयरनेस प्रोगाम चला रहा है।जिससे बच्चे स्वस्थ रहे उन्हें विषय विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ संबंधी जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

बांदरा में भागवत कथा आज से

छिंदवाड़ा। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन ग्राम बांदरा में किया जा रहा हैं।आयोजक-जय दुर्गा उत्सव समिति ने बताया कि 18 फरवरी 2026 दिन बुधवार से 26 फरवरी 2026 दिन गुरुवार तक दोपहर दाप 1:30 ने शाम 5 बजे तक एवं रात्रि 8:30 में रात्रि 10 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा व्यासपीठ श्री जितेंद्र जी महाराज छिंदवाड़ा के मुखारबिंद से किया जाएगा।

20 एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियो के कब्जे में, बिना अनुमति काटे गए 200 वर्ष पुराने 60 से अधिक विशालकाय वृक्ष

भाण्डामुर्री के पुर्ना टोला मे शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा।

लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री के पुरना टोला से लगी लगभग 20 एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया जा चुका है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार अतिक्रमण करने वाले और पेड़ों को काटने वाले गांव के ही कुछ दबंग लोग है जो मनमानी करते हुए लगभग एक माह से जेसीबी मशीन से अवैध तरीके से शासकीय भूमि को समतल कर कब्जा कर रहे है। हद तो तब पार हो गई जब बाप का माल समझते हुए अतिक्रमणकारी द्वारा गैर कानूनी तरीके से शासकीय भूमि पर हमारे पूर्वजों के जमाने के 200 वर्ष पुराने लगे विशालकाय पेड़ों का कत्लेआम कर दिया गया और लकड़ी का सौदा कर बिक्री भी करदी गई और ट्रैक्टरोंसे बेशकीमती लकड़ी का परिवहन लालबर्रा की मिल भी हो गया लेकिन जिम्मेदारों को इसकी जानकारी नहीं लगी, भनक तब लगी जब शासकीय भूमि पर कब्जा कर लिया गया और बेसकीमती विशालकाय वृक्ष का सौदा कर उसे बेच दिया गया।

उक्त मामले पर कोटवार से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा कटे हुए पेड़ों की जप्ति की गई है और पंचनामा कार्रवाई भी की गई है जब उक्त मामले पर दूरभाष पर हल्का पटवारी टीना ठाकरे से चर्चा करनी चाहि गई तो पहले तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया और दोबारा उनका मोबाइल नंबर स्विच ऑफ आया इसलिए प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है।

बेशकीमती विशालकाय पेड़ो की बली: पूरना टोला की शासकीय भूमि पर लगे 200 वर्ष पुराने साजा,बीजा हलदुल,सागौन,लेंड्या,कसाई, तेंदू सहित अन्य इमारती पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई राजस्व विभाग की निष्क्रियता से भारी संख्या मे पेड़ों का कत्लेआम दिन के उजाले में कर दिया गया बताया जा रहा है कि मौके पर पटवारी और कोटवार के द्वारा लगभग 15 पेड़ों की लकड़ी को जप्त कर लिया गया है बाकी की बेश कीमती लकड़ी लालबर्रा आरा मिलो में परिवहन हो गई है जो जाँच का विषय है भारी पैमाने पर हुए हरे भरे वृक्षों की अवैध कटाई के संबंध में राजस्व विभाग की भूमिका

सवालों के घेरे में है। क्योंकि शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर अभी तक कोई रोक नहीं लगाई गई है। कब्जाधारी प्रतिदिन जेसीबी मशीन से भूमि को समतल कर कब्जा करने में लगे हैं। और राजस्व विभाग है कि मुकदर्शक की भूमिका निभा रहा है। शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने कोई प्रयास नहीं कर रहा है और ना कोई कार्रवाई कर रहा है जिससे भू माफिया के हौसले बुलंद है।

नहीं हो रही आरा मिलों की जांच: लालबर्रा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र से प्रतिदिन ट्रैक्टरों के माध्यम से खुलेआम लालबर्रा की आरा मिलों में लकड़ी चीरान के लिए लाई जा रही है लेकिन विडंबना यह है कि ना तो वन विभाग और राजस्व विभाग द्वारा ट्रैक्टरों से लाई जा रही लड़कियों की जांच की जा रही है और ना ही आरा मिलो का निरीक्षण किया जा रहा है। जिससे गोरख धंधा फल के साथ फूल रहा है। और संबंधित विभाग धृतराष्ट्र की भूमिका निभा रहा है जानकर भी अनजान है। और कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

इनका कहना हैं

पटवारी से जानकारी लेकर मैं मौका निरीक्षण करता हूं। **मयंक मिश्रा, नायब तहसीलदार, लालबर्रा**

भारत-विस्तार का राष्ट्रीय शुभारंभ का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव बालाघाट 17. फ़रवरी.2026 को ₹भारत-विस्तार₹ का राष्ट्रीय शुभारंभ का कार्यक्रम वर्चुअली के माध्यम से जिले के कृषकों को दिखा गया। उक्त कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, आई.सी.ए.आर. महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट यर्चुअली जुड़े जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र में जिले के लगभग 105 कृषकों तथा कृषि छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम राजस्थान के जयपुर से वर्चुअल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किसानों के लिए एक बेहद खास योजना भारत-विस्तार लॉन्च किया गया जिसमें उनकी अपनी भाषा में खेती-किसानी से जुड़ी हर जानकारी उनके मोबाइल या सिर्फ एक वॉयस कॉल के जरिए उपलका कराएगा। भारत-विस्तार की सबसे खास बात इसकी एआई असिस्टेंट भारती है। यह एक डिजिटल एक्सपर्ट की तरह 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। किसान हेल्पलाइन नंबर 155251 पर फोन करके या ऐप के जरिए भारती से बात कर पाएंगे। यह एआई असिस्टेंट किसानों को फसल की योजना बनाने, खाद और बीज के सही इस्तेमाल, कीट प्रबंधन, मौसम के अपडेट और मंडी भाव की सटीक जानकारी देगी। अधिकारियों के अनुसार, भारत-विस्तार सिर्फ एक ऐप नहीं है, बल्कि यह देश की खेती की डिजिटल रीढ़ (National Digital Backbone) बनेगा। यह केंद्र और राज्य सरकारों के सिस्टम को आपस में जोड़ेगा, जिससे रिसर्च और नीतियों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। किसानों से मिलने वाले फीडबैक का इस्तेमाल भविष्य की कृषि योजनाओं को बनाने में किया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य खेती में जोखिम को कम करना और किसानों की आय बढ़ना है। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने प्राकृतिक खेती एवं जैविक योती के महत्व के बारे में बताया गया जिसमें स्वी फसलों में चना, सरसों, गेहूं आदि फसलों में प्राकृतिक खेती के द्वारा उत्पादन कैसे अच्छा हो साथ ही रबी फसलों में जैविक खेती एवं रबी फसल की उन्नत तकनीक की जानकारी दिया। कार्यक्रम के दौरान कृषकों को केन्द्र के विभिन्न इकाईयों जैसे प्राकृतिक खेती इकाई, पौध उत्पादन इकाई सब्जी उत्पादन इकाई, मशरूम इकाई मुर्गी पालन इकाई, एजोला इकाई, नाडेप इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, कृषि यंत्र इकाई अजोला इकाई एवं अन्य इकाईयों का भ्रमण करवाया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के श्री धर्मेन्द्र आगाशे, श्रीमति अन्नपूर्णा शर्मा एवं श्री दीलिप कुमार शिव का सराहनीय योगदान रहा।

पुलवामा के अमर शहीदों को श्री अमेय शक्ति महिला मंडल ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

14 फरवरी 2019 का वह काला दिन भारत कभी नहीं भूल सकता, जब पुलवामा में हुए कायराना आतंकी हमले में हमारे देश के वीर जवानों ने माँ भारती की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। आज इस दुखद घटना को 7 साल बीत चुके हैं, लेकिन उन 40 बहादुर जवानों की शहादत का ज़ख्म आज भी हर भारतीय के दिल में ताजा है।

पुलवामा हमले की बरसी पर आज पूरा देश उन वीर जवानों को नमन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह समेत देश के कई बड़े नेताओं ने शहीदों को याद करते हुए उनके साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसी राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर श्री अमेय शक्ति महिला मंडल द्वारा एक गरिमामयी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन वारासिवनी में किया गया। जिसमें सभी महिलाओं ने शहीदों के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर मौन श्रद्धांजली अर्पित की।

इस अवसर पर नगरपालिका भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इसे मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक समारोह कहना चाहिए, क्योंकि हमारे वीर जवानों ने देश के लिए हंसते-हंसते जान दी है। उन्होंने कहा कि आज हम जो सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करते हैं, वह केवल उन जवानों की वजह से हैं, जो सरहद पर हमारी रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने समाज के बच्चों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सेना में जाने की उत्सुकता जगती है और उन्हें शहीद होने का वास्तविक अर्थ समझ आता है।

श्री अमेय शक्ति महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूनम झा ने वीर सैनिकों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि पुलवामा में अपनी जान गंवाने वाले 40 जांबाज सैनिकों का कर्ज यह देश कभी नहीं उतार सकता। उन्होंने कहा कि सैनिकों का परिवार अपनी खुशियों का त्याग कर उन्हें सीमा पर भेजता है, इसलिए हम सभी का यह नैतिक कर्तव्य है कि हम उनके परिवारों के साथ खड़े रहें। अमेय शक्ति महिला समिति का उद्देश्य उन परिवारों को यह एहसास दिलाना है कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

डॉ. श्रीमती जयश्री अरोरा ने सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब भी कोई सैनिक शहीद होता हैं, तो पूरा देश दुखी होता हैं। लेकिन पुलवामा जैसा हमला हर माँ के दिल को झकझोर देता है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि सीमा पर तैनात रक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

पंचमुखी शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का माता पार्वती के साथ हुआ विवाह सम्पन्न

जागेश्वर शिव मंदिर से निकली शिव बारात, विधायक ने बारात में किया जमकर नृत्य

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

महाशिवरात्रि पर्व पर नगर के श्री जागेश्वर शिव मंदिर से भक्तों ने शिव बारात निकाली। इस शिव बारात में भगवान भोलेनाथ को दूल्हा बनाकर शिव गणों के साथ माता गौरा संग ब्याह रचाने पंचमुखी शिव मंदिर के लिए निकले। जिसमें हजारों शिव भक्तों के साथ क्षेत्रीय विधायक विवेक विक्की पटेल भी शामिल हुए। इस शिव बारात में बज रहे बैंड बाजों की मधुर धुन पर भक्तों के साथ-साथ विधायक विवेक विक्की पटेल भी जमकर थिरके।

शहर के मुख्य स्थानों से निकली शिव बारात में मुख्य आकर्षण महादेव के स्वरूप व उनके साथ भूत, प्रेत की फौज भस्म की होली खेलते हुए ढोल नगाड़ों की धुन पर झूमते नाचते हुए निकले। शहर में निकली इस शिव बारात का अनेकों जगह शिव भक्तों द्वारा पूजन अर्चन कर बारात पर पुष्प वर्षा के साथ उसमें शामिल बारातियों का स्वागत किया गया। इस दौरान जहाँ-जहाँ से भगवान भोलेनाथ की बारात गुजरी, वह स्थल शिव भक्ति में रमा नजर आया।

भगवान भोलेनाथ की यह बारात पुराने रामपायली मार्ग स्थित श्री जागेश्वर शिव मंदिर से निकाली गई, जो गोलीबारी चौक, गाँधी चौक, अम्बेडकर चौक, दुर्गा माता मंदिर, नेहरू चौक, जय स्तम्भ चौक से वापस नेहरु चौक, आंबेडकर चौक होते हुए नगरपालिका के सामने स्थित पंचमुखी शिव मंदिर पहुंची। जहां भगवान शिव जी का माता पार्वती के साथ विवाह धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।

बारात पहुंचने के बाद पंचमुखी शिव मंदिर समिति द्वारा भगवान शिव की बारात में शामिल बारातियों का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर भगवान शिव की झांकी, भूत, प्रेत की आकर्षक झाकियॉ सजाई गई थीं। देवी जागरण के माध्यम से भगवान शिव के भजन प्रस्तुत किये गए, जिसके बाद भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात भगवान शिव के साथ माता पार्वती का विवाह सम्पन्न किया गया। विवाह समारोह के बाद भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

खबर संक्षेप

घंसौर थाना क्षेत्र में देर रात सड़क हादसा, दो बाइक सवार गंभीर घायल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के धंसौर थाना क्षेत्र में देर रात एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सरंगांव के समीप हुआ बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील सरोते (50) और परमू सरोते (40) बाइक से धंसौर से सरंगांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ पर फिसल गई और दोनों सवार गिर पड़े। दुर्घटना में दोनों को सिर, हाथ, पैर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तत्काल धंसौर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत वाराणसी-अयोध्या की यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वाराणसी-अयोध्या तीर्थ यात्रा का आयोजन दिनांक 30 मार्च 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक किया जाना है। उक्त यात्रा के लिए सिवनी जिले को कुल 279 यात्रियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

तीर्थ यात्रा में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक आवेदक जनपद कार्यालय, तहसील कार्यालय अथवा नगरपालिका सिवनी में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

पंजाब नेशनल बैंक गणेशगंज शाखा में सीएससी संचालन को लेकर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया लखनादौन। गणेशगंज स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों और ग्राहकों की ओर से बैंकिंग सेवाओं के संचालन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं।

बताया जा रहा है कि शाखा में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट बीसी से जुड़ी व्यवस्थाओं का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं हो रहा है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीण उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

गणेशगंज शाखा में सीएससी

ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधा पहुंचाने का उद्देश्य सरकार और बैंकिंग संस्थानों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए सीएससी और बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट मॉडल लागू किया गया है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य यह है कि दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोगों को छोटी-बड़ी बैंकिंग सुविधाओं के लिए शाखा तक लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

नियमों के अनुसार, अलग-अलग गांवों या पंचायत स्तर पर सीएससी/बीसी सेंटर संचालित किए जाते हैं, ताकि स्थानीय लोगों को खाता खोलने, पैसे जमा-निकासी, आधार लिंकिंग, पेंशन भुगतान और अन्य बैंकिंग सेवाएं आसानी से मिल सकें।

शाखा परिसर में ही संचालित होने का आरोप

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि गणेशगंज स्थित शाखा में ही सीएससी सेंटर का संचालन किया जा रहा है। यदि यह आरोप सही पाया जाता है, तो यह ग्रामीण बैंकिंग मॉडल के मूल उद्देश्य के विपरीत माना जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सीएससी सेंटर भी बैंक शाखा परिसर में ही रहेगा, तो दूरस्थ गांवों के लोगों को फिर भी शाखा तक आना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की अतिरिक्त लागत बढ़ेगी।

बताया जा रहा है कि गणेशगंज क्षेत्र में लगभग 6 से 7 सीएससी या कमांडर आईडी एक ही स्थान से संचालित की जा रही हैं। इस स्थिति में क्षेत्रीय विभाजन और सेवा वितरण की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों की परेशानी और नाराजगी

ग्रामीणों का आरोप है कि बैंकिंग सेवाओं का विकेंद्रीकरण केवल कागजों तक सीमित रह गया है। उनका कहना है कि यदि प्रत्येक गांव या क्लस्टर स्तर पर अलग-अलग बीसी सेंटर सक्रिय रूप से काम करें, तो बुजुर्गों, महिलाओं और मजदूर वर्ग को काफी राहत मिलेगी।

कुछ ग्रामीणों ने यह भी बताया कि उन्हें छोटी राशि निकालने या सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि आर्थिक रूप से भी अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

नियमों के पालन पर उठे सवाल

बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए गए हैं। यदि एक ही स्थान से कई आईडी संचालित की जा रही हैं, तो यह जांच का विषय बन सकता है कि क्या सभी आवश्यक प्रक्रियाओं और मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

हालांकि, इस मामले में अभी तक बैंक प्रबंधन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

उच्च अधिकारियों से कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि संबंधित क्षेत्रीय और उच्च बैंक अधिकारी इस मामले का संज्ञान लें। उनका कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो उचित कार्रवाई की जानी चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर सीएससी/बीसी सेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता केवल औपचारिकता न बनकर वास्तविक रूप से गांव-गांव तक पहुंचे। इससे सरकार की वित्तीय समावेशन योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी।

निष्पक्ष जांच से ही होगा समाधान

वर्तमान में यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यदि संबंधित अधिकारी जांच कर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करते हैं, तो स्थिति में सुधार संभव है। बैंकिंग सेवाओं का उद्देश्य आम जनता को सुविधा देना है, न कि उन्हें अतिरिक्त कठिनाई में डालना। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या उच्च अधिकारी इस प्रकरण में हस्तक्षेप कर स्थिति स्पष्ट करेंगे और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

नंदी पर सवार भोलेनाथ की भव्य बारात, धनौरा में गूंजा 'हर-हर महादेव'

हरिभूमि न्यूज धनौरा।

जिले के धनौरा विकासखंड मुख्यालय में महाशिवरात्रि पर्व के दूसरे दिन सोमवार रात्रि को भगवान शिव की भव्य बारात पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई। नंदी पर सवार भगवान शिव और माता पार्वती की सजीव झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही।

बारात की शुरुआत खेरमाई मंदिर से हुई, जो ग्राम के विभिन्न मार्गों से होते हुए झिरा चौक प्रांगण पहुंची। मार्गभर आतिशबाजी, आकर्षक झांकियां और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। डमरू दल, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भूत-पिशाच रूपी गणों की झलक ने बारात को अद्भुत स्वरूप प्रदान किया।

युवाओं द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव स्तोत्र ने श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह भर दिया। श्रद्धा और उल्लास के बीच आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को और अधिक भक्तिमय बना दिया। आयोजन स्थल पर प्रसाद वितरण की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। धनौरा के प्राचीन शिव मंदिर, झिरा चौक मंदिर और खेरमाई मंदिर सहित नगर के सभी शिवालयों में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था।

खेरमाई मंदिर में भगवान शिव-गौरा को मिष्ठान का भोग अर्पित कर भव्य श्रृंगार किया गया, जिससे भक्त भावविभोर हो उठे। पूरे आयोजन के दौरान नगर में आस्था, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

सिवनी में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद जी महाराज का दिव्य प्रवास

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

जिले की पुण्यभूमि इन दिनों आध्यात्मिक चेतना से आलोकित है। सनातन परंपरा के महान संवाहक, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद जी सरस्वती महाराज का सिवनी जिले में पावन प्रवास चल रहा है। इस दौरान वे द्वारकाधीश मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के भव्य और दिव्य आयोजन की तैयारियों को सूक्ष्मता व आत्मिक भाव से स्वयं देख-परख रहे हैं।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गुरूरत्नेश्वर धाम में उनके सानिध्य में आयोजित अनुष्ठान अत्यंत भव्य, श्रद्धा और शिवत्व से परिपूर्ण रहे। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा और श्रद्धालु स्वयं को धन्य अनुभव करते दिखे। ब्रह्मलीन गुरुदेव की तपोभूमि में नमन, ग्राम-ग्राम में गुरु चरणों की वंदना जगद्गुरु शंकराचार्य जी अपने आराध्य गुरुदेव ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज की तपस्थली के दर्शन हेतु भी पहुंचे। वहां से वापसी के दौरान सोमवार, 16 फरवरी को पौंड़ी ग्राम स्थित प्रतिष्ठित राय परिवार में उनका दिव्य आगमन हुआ।

अधिवक्ता प्रीमियर लीग 6 का रोमांच चरम पर:21 को महिला और 22 को पुरुष वर्ग का होगा महामुकाबला

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

खेल और भाईचारे के प्रतीक अधिवक्ता प्रीमियर लीग के छठे सीजन का रोमांच अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच गया है। पीजी कॉलेज ग्राउंड, भैरोगंज में लेदर बॉल से खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबलों की रूपरेखा तय हो गई है। आगामी 21 फरवरी को महिला अधिवक्ताओं के बीच खिताबी जंग होगी, वहीं 22 फरवरी को पुरुष वर्ग का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। पुरुष वर्ग के फाइनल से एक दिन पहले, यानी 21 फरवरी को महिला अधिवक्ताओं का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम ब्लू और टीम ब्लैक के बीच होगा। आयोजन समिति का मानना है कि महिला अधिवक्ताओं की खेल मैदान पर यह सक्रियता अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। 22 फरवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस महामुकाबले की गरिमा बढ़ाने के लिए न्याय जगत की कई बड़ी हस्तियाँ शिरकत करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर हाईकोर्ट के माननीय न्यायाधिपति विशाल धगत होंगे।

विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहेंगे राधेलाल गुप्ता अध्यक्ष, मध्य प्रदेश स्टेट बार एसोसिएशन। आर.के. सैनी उपाध्यक्ष, राज्य अधिवक्ता संघ। सतीश चंद्र राय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिवनी। पंकज जैन जिलाध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ। इनके अलावा जिले के अन्य न्यायाधीशगण, वरिष्ठ अधिवक्ता और जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने मैदान पर मौजूद रहेंगे।

रेलवे लाइन मध्यम परिवार के लिए वरदान रेलवे -एक्टिविस्ट अथर्वसिंह

रेलवे मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा स्थिर करियर और मुफ्त /सस्ती यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण जरिया है ' इसी तरह का प्रयास रेलवे एक्टिविस्ट अथर्व सिंह 6 वर्षों से लगातार भारत सरकार को अपनी विभिन्न कार्य योजनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करवा रहे हैं खासतौर से संपूर्ण महाकौशल रेलवे लाइन के विस्तार को लेकर हमेशा प्रयास रत रहते हैं उन्होंने जो रिसर्च किया खास तौर से टाइगर सिटी एवं तांबा सिटी के रूप में विश्व प्रसिद्ध बालाघाट जिले के लिए मुख्य बिंदु पर अपने दृष्टिकोण रखे हैं।

बालाघाट जंक्शन विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बन चुका है हालांकि अभी भी डोरमेट्री एवं रिटायरिंग रूम की सुविधा नहीं है नहाने के लिए एक भी बाथरुम नहीं है द्वितीय श्रेणी नान एसी वेटिंग रूम एवं प्रथम श्रेणी एसी वेटिंग का रूम जंक्शन स्टेशन के मुताबिक बहुत छोटे हैं भोजनालय नहीं है पुरानी स्टेशन बिल्डिंग का विस्तार कर नए सिवनी की तर्ज पर विकसित किया जाए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बालाघाट जंक्शन को 12 मीटर चौड़ा आ रो बी नहीं दिया गया है पुराना ब्रिज गोंदिया एंड में बना हुआ है। प्लेटफार्म क्रमांक 2 और 3 में नए गट्टू लगाए गए हैं जबकि आईलैंड प्लेटफार्म पर स्टोन कोटा लग सकता था वर्तमान में 7.24 मीटर चौड़ाई 650 मीटर लंबाई और 700 मी हो सकती है। बालाघाट जंक्शन का प्लेटफार्म का होकर भी 3 एचल पैसेंजर प्लेटफार्म पर सीमित गया है रैक पॉइंट विस्तार का बाधक है। रैक पॉइंट का गर्रा हाल्ट स्थानांतरण 2022 से हो रहा 2026 तक नहीं हो पा या रेकपॉइंट 710 मीटर लंबा 12 मीटर चौड़ा है जिसके स्थान पर चार व पांच नंबर एचल पैसेंजर प्लेटफार्म बन सकते हैं। नई ट्रेनों की शुरुआत एक्सप्रेस ट्रेनों का विस्तार संभव होगा 4 और 5 नए प्लेटफार्म बनने से वास्तव में जंक्शन स्टेशन बन सकेगा। वा टरिंग हेतु वाटर पाइप लाइन ट्रैक के माध्यम में डाली जाए आज भी भी क्लास जंक्शन होने के बावजूद ट्रेनों में पानी तक नहीं भर पा रहा है 1 और 2 के मध्य वाटरिंग हो सकती है सरेखा दूसरे प्रवेश द्वार की जगह वर्तमान बिल्डिंग का विस्तार किया जा सकता है टाइगर सिटी बालाघाट में आपका स्वागत है ऑटोमेटेड अनाउंसमेंट 2022 में शुरू हुआ था अब विश्वस्तरीय होने पर दोबारा शुरू हो एवं कान्हा राष्ट्रीय उद्यान जाने हेतु उतरने साइन बोर्ड सूचना प्रदर्शित की जाए कान्हा क्षेत्र को वैश्विक संरक्षण व शोध का केंद्र बने बैग अनुभव केंद्र बालाघाट जिले में देश का पहला अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय बाग अनुभव केंद्र स्थापित किया जाए। जयपुर कन्याकुमारी दूवि साप्ताहिक एस .एफ .एक्सप्रेस वाया कोटा गुना बीना, सागर ,दमोह ,जबलपुर बालाघाट, गोंदिया बल्हारशाह विजयवाड़ा काटपाड़ी कोयंबटूर एर्नाकुलम ,तिरुवनंतपुरम सेंट्रल चलाई जाए। बालाघाट से भोपाल इंदौर नई एस .एफ .एक्सप्रेस वाया नैनपुर छिंदवाड़ा गोंदिया से इंदौर केवल एक सप्ताहिक सप्ताहिक हमसफर ट्रेन चलती है। जबलपुर से इतवारी(नागपुर)के मध्य व्हाया बालाघाट वारासिवनी कटंगी तिरोड़ी तुमसर के मध्य सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभ किया जाए। ऐसी कई जनहितैसी कार्य योजनाओं पर भारत सरकार के संज्ञान में दिया है रेलवे स्टेशन पर आम लोगों के जीवन को सुख मय एवं सरल बनाने के लिए पूर्व सांसद ढालसिह बिसेन से भी मुलाकात कर अपनी कार्य योजना को बताया है अब यह देखना है कि इस युवा रेलवे एक्टिविस्ट अथर्व सिंह की सोच कहां तक सफल हो पाती है।

पीएचडी करने वालों को राहत, हर यूनिवर्सिटी को जारी करना होगा 'पीएचडी कैलेंडर

अब हर विश्वविद्यालय को यूजी-पीजी की तरह पीएचडी कैलेंडर भी अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करना होगा। इसका उद्देश्य है प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और छात्रों को समय पर सही जानकारी उपलब्ध कराना।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने यूजीपीजी की पीएचडी की जानकारी भी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

अब तक स्थिति यह थी कि कई विश्वविद्यालय पीएचडी की तारीखें, सीटों की संख्या और पात्रता शर्तें सार्वजनिक नहीं करते थे। कई बार सीटें होते हुए भी यह बताया जाता था कि उम्मीदवार नहीं मिले।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने यूजीपीजी की पीएचडी की जानकारी भी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ विश्वविद्यालयों में पसंदीदा अभ्यर्थियों के लिए रास्ता आसान करने के आरोप भी लगते रहे हैं। जब प्रवेश प्रक्रिया की स्पष्ट समय-सीमा नहीं होती, तो इंटरव्यू, वेटेज और पात्रता के नियम भी मनमाने ढंग से लागू किए जाते थे। यही कारण है कि कई सरकारी विश्वविद्यालयों में पीएचडी सीटें खाली रह जाती हैं।

कई विषयों में आधी से ज्यादा सीटें खाली

सूत्रो से प्राप्त जानकारी अनुसार बीयू में करीब 40 विषयों में पीएचडी की कुल 2,379 सीटें हैं। जुलाई में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया के दौरान केवल नेट स्कोर को पात्र मानने की वजह से कई विषय में आधी से अधिक सीटें खाली रह गईं हैं। इसके लिए बीयू ने नवंबर में एक बार फिर अभ्यर्थियों को मौका दिया, लेकिन एंट्रेंस टेस्ट नहीं लिया। इस बार भी नेट क्वालिफाई को ही मौका दिया गया। स्थिति यह है कि किस विषय में कितनी सीटें खाली हैं स्थिति क्या है। यह जानकारी

पीएचडी में नहीं चलेगा एआई से कॉपी-पेस्ट!

पीएचडी करने वाले स्टूडेंट्स को जानकारी के लिए बता दें कि बीते दिनों पहले यूनियन ग्रांट कमीशन (सीजी) ने कई रिसर्च थीसिस को वापस किया है जिनमें एआई से लिखा गया कंटेंट पाया गया। बिहार की एक यूनिवर्सिटी से दर्जनों छात्रों की पीएचडी थीसिस यूजीसी को भेजी थी, जिनमें ये गड़बडियां पाईं गई। यूनिवर्सिटी से भेजी गई रिसर्च थीसिस में यूजीसी के चेक करने पर 40 प्रतिशत से ज्यादा कंटेंट चोरी का पाया गया। यूजीसी ने इसको वापस कर दिया है। बताया गया है कि सबसे ज्यादा इंग्लिश भाषा में सबमिट हुई थीसिस में एआई कंटेंट पाया गया है। हिंदी में जमा की गईं थीसिस में ज्यादा गड़बड़ी नहीं पाई गईं हैं।

जिला स्तरीय रोजगार- स्वरोजगार मेला आज

सिवनी, 16 फरवरी 2026/ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं शासकीय आई.टी.आई. सिवनी के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षित बेरोजगार युवाओं-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार में संलग्न किये जाने के उद्देश्य से राशि लॉन बारापत्थर सिवनी में दिनांक 18 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा हैं।

जिला रोजगार अधिकारी सिवनी द्वारा बताया गया कि आयोजित मेले में प्रदेश की विभिन्न कंपनी द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। नियोजकों द्वारा ट्रेनी, मशीन ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, बीमा एजेंट, सेल्स एक्सिकेटिव, कॉल सेन्टर, ऑपरेटर आदि पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी एवं स्वरोजगार योजना अंतर्गत ऋण वितरण प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि ऐसे इच्छुक आवेदक जो आयोजित मेले में जिनकी आयु 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच हो एवं जिन्होंने कक्षा 8 वीं, 10 वीं, 12 वी, आईटीआई और स्नातक तक उत्तीर्ण हैं। वे अपने समस्त प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन, अंकसूची, दो पासपोर्ट साइज की फोटो लेकर मेले में उपस्थित हो सकते हैं। इस हेतु मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

हर घर पूछे जाने हैं ये सवाल: रोटी गैस पर बनती है या मिट्टी के चूल्हे पर, गेहूं खाते है या मक्का, ज्वार व बाजरा...

जनगणना 2027 के सवाल बताएंगे विकास की असली हकीकत, इस बार जनगणना के दौरान पूछे जाएंगे बदले हुए और विस्तृत सवाल, जनगणना 2027 की तैयारियां हुईं तेज,

सिवनी। आने वाली जनगणना 2027 इस बार सिर्फ जनसंख्या की गिनती तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लोगों की जीवनशैली, सुविधाओं की उपलब्धता, तकनीक तक पहुंच और सामाजिक-आर्थिक स्थिति की गहराई से पड़ताल करेगी।

यही कारण है कि इस बार पूछे जाने वाले सवाल पहले की तुलना में अधिक व्यावहारिक और दैनिक जीवन से जुड़े होंगे। प्रशासनिक स्तर पर इसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं और इसे विकास योजनाओं के लिए ग्राउंड रियलिटी सर्वे के रूप में देखा जा रहा है। प्रारंभिक चरण के तहत एक अप्रैल से मकानों की लिस्टिंग, सुपरवाइजर्स व गणना कर्मियों की नियुक्ति और कार्य वितरण शुरू किया जाएगा। जिले में प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा।

आंकड़ों में दिखेगी जीवनशैली की तस्वीर जनगणना कर्मी घर-घर जाकर यह जानेंगे कि परिवार मुख्य रूप से गेहूं खाता है या मक्का-ज्वार-बाजरा, पीने का पानी नल से मिलता है या अन्य स्रोतों से, खाना गैस पर बनता है या पारंपरिक चूल्हे पर। इसके साथ ही यह भी दर्ज होगा कि घरों में बिजली, सौर ऊर्जा, शौचालय, स्नान सुविधा, रसोईघर, इंटरनेट और डिजिटल उपकरण जैसी सुविधाएं कितनी उपलब्ध हैं। इन सवालों के माध्यम से यह समझने की कोशिश की जाएगी कि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ किन वर्गों तक पहुंचा और किन क्षेत्रों में अभी भी बुनियादी जरूरतों की कमी है।

डिजिटल होगी पूरी प्रक्रिया

इस बार जनगणना का अधिकांश कार्य मोबाइल एप, ऑनलाइन पोर्टल और रियल-टाइम डेटा ट्रांसफर के जरिए किया जाएगा। यानी पारंपरिक कागजी प्रक्रिया की जगह डिजिटल प्रणाली अपनाई जाएगी। इससे डेटा अधिक सटीक, तेज और पारदर्शी रूप से संकलित होगा। अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से जानकारी सीधे केंद्रीय सर्वर पर अपलोड होगी, जिससे आंकड़ों के विश्लेषण में समय कम लगेगा और नीति निर्माण तेजी से हो सकेगा। पहले चरण में मकान सूचीकरण किया जाएगा, जिसमें घर की संरचना, निर्माण सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व स्थिति, जल निकासी व्यवस्था और प्रकाश स्रोत जैसी जानकारियां दर्ज होंगी। दूसरे चरण में परिवार के सदस्यों से संबंधित सामाजिक और आर्थिक जानकारी ली जाएगी, जैसे आयु, शिक्षा, रोजगार, प्रवास, मातृभाषा और अन्य जनसांख्यिकीय विवरण। इसके अलावा घर में टीवी, रेडियो, कंप्यूटर, इंटरनेट, दोपहिया या चारपहिया वाहन जैसी सुविधाओं का भी विवरण लिया जाएगा, जिससे जीवन स्तर का व्यापक आकलन किया जा सके।

विशेष श्रेणियों पर भी रहेगा फोकस

इस बार पहली बार कुछ विशेष सामाजिक और स्वास्थ्य श्रेणियों को अलग से शामिल किया गया है, ताकि समाज के संवेदनशील वर्गों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

ये होगी खास बातें

1947 के बाद पहली बार जातिगत आंकड़ों का संकलन
1931 में हुई थी अंतिम जाति आधारित जनगणना
2011 में हुई थी पिछली जनगणना, ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे
घर में गेहूं या मक्का-ज्वार-बाजरा का अधिक उपयोग
पेयजल का स्रोत नल, हैंडपंप या पैक्ड पानी
क्या परिवार सरकारी राशन या मुफ्त दवाओं का लाभ ले रहा है। घर में टीवी, मोबाइल, रेडियो जैसी सुविधाएं
इंटरनेट, डिश टीवी या केबल का उपयोग
सौर ऊर्जा का उपयोग कितना है
खाना गैस पर बनता है या पारंपरिक चूल्हे पर
विभिन्न सरकारी योजनाओं से मिलने वाला लाभ
मकान से लेकर मोबाइल तक दर्ज होगा हर विवरण

इससे स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को अधिक लक्षित बनाया जा सकेगा।

सीमाएं पहले ही कर दी गई हैं स्थिर

जनगणना की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रशासनिक सीमाओं को पूर्व निर्धारित तिथि से फ्रीज कर दिया गया है। जनगणना पूरी होने तक किसी भी नगरीय या ग्रामीण सीमा में बदलाव नहीं किया जाएगा, ताकि आंकड़ों में भ्रम की स्थिति न बने। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार जुटाया जाने वाला डेटा आने वाले वर्षों में शहरी विकास, जल प्रबंधन, ऊर्जा उपयोग, डिजिटल पहुंच, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं की दिशा तय करेगा। यानी घर में क्या खाते हैं या कैसे रहते हैंज जैसे दिखने में साधारण सवाल ही भविष्य की नीतियों का आधार बनेंगे। जनगणना 2027 इस तरह प्रशासन के लिए सिर्फ आंकड़ा संग्रह नहीं, बल्कि बदलते समाज को समझने और विकास की वास्तविक जरूरतों को पहचानने का सबसे बड़ा अवसर मानी जा रही है।

आरोपी शिक्षक फरार

छात्रा से दुष्कर्म शिक्षक पर अपराध पंजीबद्ध

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम गजपुर के सरकारी स्कूल में पदस्थ एक शिक्षक पर कक्षा दसवीं की छात्रा के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी शिक्षक फरार है। वहीं घटना के सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने आरोपी शिक्षक को जिला मुख्यालय कार्यालय में अटैच करने के आदेश जारी किए है किंतु आरोपी शिक्षक ने डीईओ कार्यालय में भी अपनी उपस्थित दर्ज नहीं की है। आरोपी शिक्षक डॉ सिद्धांत गड़पाल है जो ग्राम उमरी का निवासी है और पिता की मौत के बाद शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति पर गजपुर हाईस्कूल में वर्ष 2021 से शिक्षक के पद पर पदस्थ होकर सेवारत है। घटना के बाद यानी 12 फरवरी से शिक्षक स्कूल नहीं आया है। शिक्षक ने सोशल मीडिया वाट्सएप के जरिए 12 फरवरी से अवकाश के लिए आवेदन किया था। घटना के बाद सोमवार के दि गजपुर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक डॉ सिद्धांत गड़पाल के भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 74, 75 (1), 332 (सी), 351 (2), पॉक्सो एक्ट की धारा 21/12 की कार्रवाई कर अपराध पंजीबद्ध किया है। आरोपी शिक्षक गजपुर के स्कूल में पदस्थ है और इसी गांव में गणेश क्लिनिक के नाम से अपना क्लिनिक भी संचालित कर रहा था। जिसमें अब ताला लटका हुआ है। बताया जाता है कि आरोपी शिक्षक के द्वारा छात्रा को प्रलोभन देकर दुष्कर्म किया गया। वहीं जब छात्रा ने शिक्षक के इस कुकृत्य का विरोध किया तो शिक्षक ने छात्रा को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद गजपुर और पीड़ित छात्रा जिस गांव की निवासी है वहां के ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश है। ग्रामीणजन आरोपी शिक्षक को सबक सिखाने की मंशा से स्कूल में भी दबिश दे चुकी थे लेकिन शिक्षक स्कूल में नहीं था तो ग्रामीण उल्टे पांव वापस हो गए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा प्रत्यिक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों का रेंडमली चयन कर उनकी समक्ष में सुनवाई की जा रही है। इसमें शिकायतकर्त्ता एवं निराकरण करने वाले विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी को समक्ष में बुलाकर दोनों पक्षों को सुना जाता है और निराकरण नहीं होने के कारणों पता लगाया जाता है तथा शिकायत का संतोषजनक ढंग से निराकरण कराया जाता है। जिन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पायी जाती है, उसमें जिम्मेदार कर्मचारी पर कार्यवाही भी की जाती है।17 फरवरी को कलेक्टर श्री मीना ने 250 दिनों से अधिक की लंबित 05 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, अधीक्षक भू-अभिलेख एवं लोक सेवा प्रबंधक श्री अनिल लिल्हारे भी मौजूद थे। परसवाड़ा तहसील के ग्राम पोंगारझोड़ी के पुरूषोत्म्म द्वारा अपनी जमीन के नक्शा बटांकन नहीं किये जाने की शिकायत सीएम हेल्पलाईन में की थी। यह शिकायत 281 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पोंगारझोड़ी के पटवारी से प्रकरण की वस्तुस्थिति का पता लगाया गया। इसके बाद कलेक्टर श्री मीना ने पटवारी को निर्देशित किया कि वह दो दिनों के भीतर पुरूषोत्तम की जमीन का नक्शा बटांकन करने की कार्यवाही करें। दो दिनों के भीतर इस शिकायत का समाधान नहीं करने पर पटवारी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की चेतावनी दी गई।इसी प्रकार किरनापुर तहसील के ग्राम मुरकुड़ा के सादू खरे द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि उसके पड़ोसी बारेलाल कावरे द्वारा शासकीय सड़क पर मकान बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है। यह शिकायत 316 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। कलेक्टर श्री मीना मुरकुड़ा के पटवारी से वस्तुस्थिति जानने के बाद पटवारी को निर्देशित किया कि शासकीय सड़क पर किये गये अतिक्रमण का सीमांकन करें और ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जायेगी। शासकीय सड़क से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शीघ्र होना चाहिए। इसके पश्चाात को इस शिकायत का समाधान कर बंद कराया गया।समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने लांजी के कुंजीलाल पिता गुजोबा के नक्शा बटांकन संबंधी आवेदन का संतुष्टि के साथ निराकरण कराया। कुंजीलाल की यह शिकायत 410 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। लांजी के पटवारी को निर्देशित किया गया कि कुंजीलाल के जमीन का नक्शा बटांकन शीघ्रता से कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। लालबर्रा तहसील के ददिया निवासी बंटी कारे द्वारा पोटियापाट का सीमांकन नही किये जाने की सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी, यह शिकायत 428 दिनों से निराकारण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सीमांकन कार्य को अनावश्यक रूप से लंबित रखने के लिए नाराजगी जाहिर की और पटवारी को निर्देशित किया कि 02 दिनों के भीतर सीमांकन कर सीमा विवाद का निराकरण करें और इस शिकायत को बंद कराया गया। लामता निवासी ओमकार तिल्लासी द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि नहर की भूमि पर सरपंच द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। यह शिकायत 302 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी।

इस पर कलेक्टर श्री मीना ने अपर कलेक्टर को मौके पर जाकर वस्तुस्थिति देखने एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने लामता के पटवारी को सख्त निर्देश दिये कि शासकीय भूमि पर किसी भी तरह की अतिक्रमण को हटाने के लिए तत्परता के साथ कार्य करें।

अकोला में गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर डम्पर जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 फरवरी को खनिज अमले ने किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम अकोला में औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 50 जी 7731 को खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उक्त वाहन को मौके पर ही जब्त कर पुलिस थाना किरनापुर की अभिरक्षा में रखा गया।उपसंचालक खनिज सुश्री फरहज जहां ने बताया कि गिट्टी का अवैध परिवहन मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 का स्पष्ट उल्लंघन है। इस पर प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्ती से निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

ओवरब्रिज के कायाकल्प को लेकर विवाद, पूर्व सांसद ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया एक बार फिर विवादों के घेरे में है। करोड़ों की लागत से तैयार इस 'Y' आकार के ओवरब्रिज पर आवागमन के लिए सीमेंटेड सड़क असमतल (ऊबड़-खाबड़) पाई गई थी, जिसे सुधारने के लिए प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर उस पर डामरीकरण करवा दिया। जबकि ओवरब्रिज की मूल ड्राइंग में डामरीकरण का कोई जिक्र ही नहीं था। सीमेंटेड सड़क के ऊपर डामर बिछाने की इस प्रक्रिया का विरोध शुरू हो गया है। सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुनकुमार सनोडिया ने स्वीकार किया कि डामरीकरण का प्रोजेक्ट में कोई प्रावधान नहीं था।

उन्होंने तर्क दिया कि यदि सड़क को कंक्रीट से समतल किया जाता, तो काम पूरा होने और तराई में कम से कम 38 दिन लगते। इतने लंबे समय तक शहर के मुख्य आवागमन को रोकना संभव नहीं था, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर डामरीकरण का रास्ता चुना गया।

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने इस कार्य को तकनीकी रूप से पूरी तरह गलत बताया है। उनका कहना है कि सीमेंटेड सड़क पर सीधे डामर बिछाना स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया था कि सड़क को खुदवाकर उसे रफ किया जाना चाहिए था और फिर सुधार कार्य होता। विभाग और ठेकेदार द्वारा तकनीकी सुझावों को नजरअंदाज करने से अब करोड़ों के इस प्रोजेक्ट की उम्र और मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए e-KYC अनिवार्य

बालाघाट। मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए e-KYC कराना अनिवार्य कर दिया गया है। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों का e-KYC अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है, उन्हें एक माह की समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से e-KYC की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। श्रम पदाधिकारी श्री मयंक दीक्षित ने बताया कि निर्धारित समयावधि में e-KYC पूर्ण नहीं कराने की स्थिति में संबंधित निर्माण श्रमिक का पंजीयन निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की अपील मान्य नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को इस संबंध में अवगत कराते हुए समय-सीमा के भीतर e-KYC पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि पात्र श्रमिक शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें।

खेड़ुले कुनबी समाज संगठन की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

14 फरवरी 2026 शनिवार को समस्त ग्राम समितियों एवं ग्राम केन्द्रों की उपस्थिति में खेड़ुले कुनबी समाज के संगठन विस्तार किया गया है। जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक समिति गठित किया गया, जिसमें सदस्यता श्री सिताराम रावते(संरक्षक प्रमुख), श्री लक्ष्मण नाकतोडे, श्री प्रकाश आठोडे, योगेश्वर खरखटे, श्री रवि दोनांडकर,श्री अशोक ठाकरे, जागेश्वर रावते, राधेश्याम नखाते,

ऐसे ही मंडल कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से संरक्षक समिति द्वारा गठित किया गया जिसमें अध्यक्ष -लक्ष्मण नाकतोडे, उपाध्यक्ष दिनेश चोरनेले, यशवंत सिल्लारे,विजय ठाकरे, मदन लाल बेदरे , तानुलाल दोनाडकर, कोषाध्यक्ष - प्रकाश आठोडे, सचिव -जागेश्वर रावते, सह सचिव - योगेश्वर खरखटे,सदस्य रुपेश कुथे, दिनेश बेदरे यशवंत दोनाडकर, घनश्याम आठोडे, धर्मेन्द्र कार, धिरेन्द्र बुराडे को मिलाकर कार्यकारिणी घोषित किया गया है। जिसमें समस्त वरिष्ठ स्वजाति बंधुओं की उपस्थिति में थे जोकि भुनेश्वर रावते, झनक लाल कुथे, देवराम दानी, रुशीराम रावते, मुरली धर नखाते, सेवक राम ठाकरे, श्री महेश चोरनेले, मनीराम रावते,श्री सदाराम रावते, श्रीमती मिता बाई बेदरे, श्रीमती राधन बाई नखाते की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

किसानों को अब मात्र 5 रुपये में मिलेगा पांच हॉर्स पॉवर तक का स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपये के स्थान पर मात्र पाँच रुपये में रुपये में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिये आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है।यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2 हजार 500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी।अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे किसानों को समय पर लाभ मिल सके।

सावरगांव में अखंड हरिराम सप्ताह का हुआ समापन, महाप्रसाद का हुआ वितरण

हरिभूमि न्यूज खैरलांजी।

विकासखंड खैरलांजी के अंतर्गत आने वाले ग्राम सावरगांव में परम पुज्य बाबा धरमदास जी उदासीन, उदासीन आश्रम सावरी के मार्गदर्शन में 10 फरवरी से अखंड हरिराम सप्ताह का आयोजन किया गया था।जिसका समापन 17 फरवरी मंगलवार हुआ। बताया गया की हरिराम सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर भक्तिभाव से भक्तोजनो के द्वारा दिप प्रज्वलित कर कलश यात्रा निकाली गई थी जो ग्राम का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पहुंची जिसका भव्य स्वागत किया गया व विधि विधान अनुरूप पूंजन किया गया । इस अवसर पर संगीतमय शिव महापुराण सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें कथावाचक परम पुज्य ऋृषिता देवी जी वृंदावन धाम के द्वारा भगवान की विविध कथाओ का वाचन किया गया जिससे सुनकर श्रदालुगंण भक्तिभाव से आनंदित हुए और पुरा वातावरण भक्तिभाव से सुगंधित हुआ। मंगलवार को समापन के अवसर पर शोभा यात्रा निकाली गई जो ग्राम के विविध मार्ग से भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दरमियान ग्रामीणजनो के द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत-सत्कार किया गया। तथा भजन कीर्तन व दहीकाला हुआ और महाप्रसाद वितरण की गई।इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रदालुगंण उपस्थित रहे।

अंबुजा सीमेंट्स ने ऑन-साइट सहयोग के माध्यम से बालाघाट के ठेकेदार की प्रगति को सशक्त बनाया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी बिल्डिंग मटीरियल सॉल्यूशंस प्रदाता और विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स दीर्घकालिक साझेदारी, तकनीकी प्रशिक्षण और भरोसेमंद उत्पाद प्रदर्शन के माध्यम से ठेकेदारों की सफलता को लगातार सशक्त बना रही है। मध्य प्रदेश के बालाघाट में श्री होमेश्वर गिरि महाराज की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि किस तरह भरोसा, निरंतरता और ज्ञान-साझाकरण ने जमीनी स्तर से विकास की मजबूत नींव रखी।श्री होमेश्वर ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1983 में एक मिस्त्री (राजमिस्त्री) के रूप में की थी और अपने पिता के साथ काम करते हुए प्रारंभिक अनुभव प्राप्त किया। वर्ष 1998 में अंबुजा सीमेंट्स के साथ साझेदारी शुरू होने के बाद उनकी यात्रा ने नया मोड़ लिया। इंजीनियरों के साथ नियमित संवाद, निर्माण कार्यशालाओं और तकनीकी प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से उन्होंने अपने ज्ञान का विस्तार किया और धीरे-धीरे पूर्णकालिक ठेकेदार की भूमिका में प्रवेश किया। आज वे अपने लगभग 90 प्रतिशत प्रोजेक्ट्स में अंबुजा सीमेंट्स का उपयोग करते हैं और स्लैब तथा फुटिंग के लिए अंबुजा कवच की सिफारिश करते हैं। उत्पाद की गुणवत्ता पर उनका भरोसा इतना मजबूत है कि उन्होंने अपने स्वयं के घर के निर्माण में भी अंबुजा कवच का उपयोग किया। श्री होमेश्वर अंबुजा के इकोसिस्टम से लगातार जुड़े रहते हैं और साइट विजिट के लिए नियमित रूप से इंजीनियरों से संपर्क करते हैं। साथ ही गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्लैब सुपरविजन और इंस्टेंट मिक्स प्रपोर्शन जैसी सेवाओं को अपनाते हैं।अंबुजा सीमेंट्स के भरोसेमंद उत्पाद प्रदर्शन, ऑन-साइट तकनीकी सहयोग और निरंतर ज्ञान-साझाकरण के बल पर श्री होमेश्वर गिरि महाराज ने गुणवत्ता और विश्वास पर आधारित अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उनकी प्रगति अंबुजा सीमेंट्स के ठेकेदार-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रभाव को दर्शाती है, जो बालाघाट और इसके आसपास के निर्माण समुदायों में दीर्घकालिक मूल्य सृजन को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

जल सुनवाई में की गई पेयजल गुणवत्ता की जांच

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

नगर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा साप्ताहिक जल सुनवाई अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसमें घर-घर से पानी के नमूने लेकर मौके पर ही जल परीक्षण किट के माध्यम से जांच की जा रही है। नगरपालिका द्वारा नवीन एवं पुरानी जलावर्धन योजनाओं के माध्यम से शहर में की जा रही जलापूर्ति की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जल परीक्षण के दौरान पानी की कठोरता, पीएच स्तर, क्लोराइड तथा टर्बिडिटी की जांच की जा रही है। अब तक लिए गए सभी नमूनों में एक भी नमूना अमानक नहीं पाया गया है, जिससे यह स्पष्ट है कि वर्तमान व्यवस्था के तहत नगरवासियों को पेय योग्य शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा रहा है।इसी क्रम में 17 फरवरी को वार्ड क्रमांक 07 में जल सुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान एसडीएम वारासिवनी श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा स्वयं नागरिकों के घरों से पानी के नमूने लेकर जल परीक्षण किट से जांच कराई गई। अमृत मित्रों द्वारा भी परीक्षण में सहयोग किया गया, जिसमें सभी मानकों पर पानी पीने योग्य पाया गया। इस दौरान तहसीलदार श्रीमती वंदना कुशराम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके भी मौजूद रहे।जल सुनवाई के दौरान वार्डवासियों से पेयजल आपूर्ति के अतिरिक्त अन्य शासकीय योजनाओं के लाभ एवं स्थानीय समस्याओं के संबंध में भी जानकारी ली गई। प्रशासन द्वारा नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु नियमित निगरानी एवं परीक्षण जारी रहेगा।कार्यक्रम में राजस्व उपनिरीक्षक हितेश हलमारे, किशोर कावड़े, वार्ड प्रभारी श्रीमती ललिता लोकेश ठाकरे, वार्ड पार्षद लोकेश ठाकरे, अमृत मित्र श्रीमती छाया राहंगडाले, श्रीमती शिवानीगिरी, श्रीमती रेखा देशमुख, श्रीमती हिरवंती पंचेश्वर, महेश साहू, अमोल देशपांडे, विक्रम सिंह तोमर, राजदीप तुरकने, टिपुरचंद कावरे सहित नगर पालिका का अमला एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ढाबों में देर रात तक चलती है शराबियों की महफिले

बालाघाट सिवनी मार्ग पर ढाबों में भोजन की आड़ में परोसी जा रही शराब

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा।

बालाघाट सिवनी मार्ग पर लालबर्रा से लेकर कंजई तक संचालित अधिकांश ढाबों में गैर कानूनी तरीके से भोजन की आड़ में देर रात तक बैठालकर शराब परोसी जा रही है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह कि आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन गैर कानूनी गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा पा रहा है जिससे मध्य प्रदेश सरकार के सुशासन के दावे जनता के बीच खोखले साबित हो रहे हैं.? और कानून व्यवस्था पर सवाल भी उठने शुरू हो गये है।

ढाबा संचालकों को नहीं है कानून का खौफ

लालबर्रा पावर हाउस से लेकर कटंगटोला, सिहोरा,कंजई स्थित ढाबों में खुलेआम बैठालकर ग्राहकों को शराब पिलवाई जा रही है। ढाबा संचालकों को कानून का खौफ नहीं है। आलम यह है कि दिन से लेकर देर रात तक ढाबो मे शराबियों की महफिले सजती और चलता रहता है हुड़दंग का दौर.. पर इन्हें रोकने वाला कोई भी जिम्मेदार अधिकारी दूर दूर तक दिखाई ही नहीं दे रहा. कार्यवाही के अभाव में ढाबा संचालकों के हौसले बुलंद है और गैर कानूनी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं. आबकारी और पुलिस विभाग ऐसे ढाबो पर कृपया ध्यान दें और आकस्मिक निरीक्षण कर गैर कानूनी तरीके से शराब परोसने वालो पर ठोस कार्रवाई करें।

कानून व्यवस्था पर सवाल

बालाघाट सिवनी मार्ग पर संचालित ढाबो में दिन से लेकर देर रात तक शराब परोसने की इजाजत किसने दी.? यह सवाल उन जिम्मेदारों से है जिन्हे सरकार ने ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए नौकरी पर रखा है. लालबर्रा से लेकर कंजई तक ढाबा संचालकों द्वारा गैर कानूनी तरीके से भोजन परोसने की आड़ में शराब के शौकीनों को खुलेआम बैठालकर शराब भी पिलवाई जा रही है क्या. आबकारी और पुलिस विभाग को इसकी जानकारी नहीं है.. जब आम व्यक्तियों को इसकी जानकारी है तो फिर संबंधित विभाग को क्यों नहीं.. ढाबा संचालकों पर कार्रवाई का ना होना कानून व्यवस्था पर बहुत बड़ा सवाल है।